AAJ KA KANPUR-138....

अंक-297 कानपुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8 ₹ मूल्य 2.50

दैनिक
आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आवश्यक सूचना
इस समाचार में छपे सभी लेख किसी भी आपत्ति के लिए 2 दिन में ही सम्पादक हमे सूचित करें। अन्यथा शिकायत पर विचार नही किया जायेगा ।

उत्कृष्ट प्रसार कार्य हेतु केवीके के वैज्ञानिक हुए सम्मानित

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यो हेतु डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनके द्वारा जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती तथा पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन हेतु नवाचार तथा सब्जी व फूलों की खेती के द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों हेतु दिया गया है केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉक्टर ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को जनपद में उनके द्वारा किए गए कार्य हेतु सम्मानित किया गया है यह सम्मान सहायक पुलिस आयुक्त सुकन्या द्वारा प्रदान किया गया वैज्ञानिकों के मध्य हर्ष की लहर है।

Titel-code: UPHIN-48963
!! श्री शिवाय नमस्तुभ्यम्!!
E-mail:jksingh.hardoi@gmail.com
सत्य का असर
सत्य का असर
समाचार पत्र
सम्पादक
जितेन्द्र सिंह पटेल
99569834016
आफिस 745 उत्तम विहार बैरी कल्यानपुर कानपुर नगर 208017
पत्रांक.....
दिनांक.......................
Tuesday 31st December 2024
jksingh.hardoi@gmail.com
website: ?????? ???? 9956834016

उत्कृष्ट प्रसार कार्य हेतु केवीके के वैज्ञानिक हुए सम्मानित

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यो हेतु डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के प्रेक्षागृह में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनके द्वारा जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती तथा पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन हेतु नवाचार तथा सब्जी व फूलों की खेती के द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों हेतु दिया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉक्टर ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को जनपद में उनके द्वारा किए गए कार्य हेतु सम्मानित किया गया है।यह सम्मान आगरा की सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती सुकन्या द्वारा प्रदान किया गया। वैज्ञानिकों के मध्य हर्ष की लहर है।

News Banner Maker

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 राजनीति में नवसंकल्प का समय, बदलनी होगी झूट का बोलबाला वाली प्रक्रिया२०२५-

रवीना टंडन की बेटी राशा ने सोलो

वर्ष :10 | अंक :320 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ ,मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ : 08

उत्कृष्ट प्रसार कार्य हेतु केवीके के वैज्ञानिक हुए सम्मानित

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनके द्वारा जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती तथा पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन हेतु नवाचार तथा सब्जी व फूलों की खेती के द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों हेतु दिया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉक्टर ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को जनपद में उनके द्वारा किए गए कार्य हेतु सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सहायक पुलिस आयुक्त सुकन्या द्वारा प्रदान किया गया। वैज्ञानिकों के मध्य हर्ष की लहर है।

उत्कृष्ट प्रसार कार्य हेतु केवीके के वैज्ञानिक हुए सम्मानित

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के प्रेक्षागृह में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनके द्वारा जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती तथा पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन हेतु नवाचार तथा सब्जी व फूलों की खेती के द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों हेतु दिया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉक्टर ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को जनपद में उनके द्वारा किए गए कार्य हेतु सम्मानित किया गया है यह सम्मान आगरा की सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती सुकन्या द्वारा प्रदान किया गया। वैज्ञानिकों के मध्य हर्ष की लहर है।

मौके (ब्यूरो)

अमर उजाला 31/12/2024

आगरा में सीएसए के वैज्ञानिक सम्मानित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को आगरा स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें कृषि तकनीकों व विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। सम्मानित होने वालों में डॉ. नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉ. ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र हैं। (ब्यूरो)

दैनिक जागरण 31/12/2024

कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों को किया गया सम्मानित

कानपुर : सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए आगरा में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया। केंद्र के विज्ञानी डा. नौशाद आलम, डा. ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती व पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन के लिए नवाचार, सब्जी व फूलों की खेती के द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। (वि.)

फसल प्रबंधन के लिए निकाली जागरूकता रैली : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर की ओर से फसल प्रबंधन के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। कानपुर देहात के केसरी नवादा के दर्शन सिंह महाविद्यालय में अवशेष

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय ● जागरण आर्काइव

- फसल प्रबंधन के लिए निकाली गई जागरूकता रैली
- पराली को खेत में मिला देने से मृदा की बढ़ती है उर्वरा शक्ति

परियोजना अंतर्गत कालेज के 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र प्रभारी डा. अजय कुमार सिंह ने बताया, किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। (वि.)

ने बेहतर प्रदर्शन किया। ... अमर, अभिलाष
बाजपेई, ... रहीं।

हिंदुस्तान 31/12/2024

सीएसए विवि के तीन वैज्ञानिक हुए सम्मानित

कानपुर। सीएसए के हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान वैज्ञानिकों को उनके द्वारा जिले के किसानों के बीच नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती तथा पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन के लिए नवाचार और सब्जी व फूलों की खेती से आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। सम्मानित होने वालों में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉ. ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र शामिल हैं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 16 अंक : 189 कानपुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

उत्कृष्ट प्रसार कार्य हेतु केवीके के वैज्ञानिक हुए सम्मानित

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनके द्वारा जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती तथा पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन हेतु नवाचार तथा सब्जी व फूलों की खेती के

द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों हेतु दिया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम, केंद्र प्रभारी डॉक्टर ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को जनपद में उनके द्वारा किए गए कार्य हेतु सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सहायक पुलिस आयुक्त सुकन्या द्वारा प्रदान किया गया। वैज्ञानिकों के मध्य हर्ष की लहर है।

अंक-297 कानपुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8 ₹ मूल्य 2.50

प्रकाशित

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

संख्या : /2018-20

o : 4/55306

आवश्यक सूचना
इस समाचार में छपे सभी लेख किसी भी आपत्त के लिए 2 दिन में ही सम्पादक हमे सुचित करें। अन्यथा शिकायत पर विचार नही किया जायेगा ।
8303331758 5/7985674606

फसल अवशेष प्रबंधन पर विद्यार्थी का हुआ जागरूकता कार्यक्रम

प्रतियोगिता के विजयी छात्रों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है ।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया।

सत्य का असर समाचार पत्र

31,12,2024 ट्यूसडे | मोबाइल नंबर 9956 834016

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुरबचंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एनके सिंह एवं शिक्षक श्रवण कुमार ,संतोष कुमार गुप्ता एवं रेणु देवी कटिहार सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 राजनीति में नवसंकल्प का समय, बदलनी होगी झूठ का बोलबाला वाली प्रक्रिया२२७३-

रवीना टंडन की बेटी राशा ने सोलो

वर्ष :10 | अंक :320 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ ,मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ : 08

फसल अवशेष प्रबंधन पर विद्यार्थी का हुआ जागरूकता कार्यक्रम

प्रतियोगिता के विजयी छात्रों को वितरित किए प्रमाणपत्र

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया।

अमर उजाला 31/12/2024

फसल अवशेष जलाने से मृदा के पोषक तत्वों को होता नुकसान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर की ओर से फसल अवशेष परियोजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुआ। केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ मृदा में पोषक तत्वों को नुकसान पहुंचता है।

दर्शनसिंह महाविद्यालय केसरी नवादा कानपुर देहात में हुए कार्यक्रम में 260 से भी अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। डॉ. राजेश राय ने बताया कि खेतों में गोबर खाद व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। कार्यक्रम के दौरान फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता भी हुई। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ. निमिषा अवस्थी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। मौके पर गौरव शुक्ला, शुभम यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनके सिंह एवं शिक्षक श्रवण कुमार, संतोष कुमार गुप्ता एवं रेणु देवी कटियार मौजूद रहे। (ब्यूरो)

किया गया। वैज्ञानिकों के मध्य हर्ष की लहर है।

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ

जेश राय द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एनके सिंह एवं शिक्षक श्रवण कुमार ,संतोष कुमार गुप्ता एवं रेणु देवी कटिहार सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 31/12/2024

कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों को किया गया सम्मानित

कानपुर : सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए आगरा में शोध एवं अभ्यास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया। केंद्र के विज्ञानी डा. नौशाद आलम, डा. ओंकार सिंह यादव व सुभाष चंद्र को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जनपद के कृषकों के मध्य नवीन कृषि तकनीकों जैसे जैविक खेती व पशुपालकों के मध्य पशुओं के प्रबंधन के लिए नवाचार, सब्जी व फूलों की खेती के द्वारा किसानों की आय में बढ़ोतरी आदि विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। (वि.)

फसल प्रबंधन के लिए निकाली जागरूकता रैली : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर की ओर से फसल प्रबंधन के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। कानपुर देहात के केसरी नवादा के दर्शन सिंह महाविद्यालय में अवशेष

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय ● जागरण आर्काइव

- फसल प्रबंधन के लिए निकाली गई जागरूकता रैली
- पराली को खेत में मिला देने से मृदा की बढ़ती है उर्वरा शक्ति

परियोजना अंतर्गत कालेज के 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र प्रभारी डा. अजय कुमार सिंह ने बताया, किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। (वि.)

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 16 अंक : 189 कानपुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कानपुर मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 3

फसल अवशेष प्रबंधन पर विद्यार्थी का हुआ जागरूकता कार्यक्रम

प्रतियोगिता के विजयी छात्रों को वितरित किए प्रमाणपत्र

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय द्वारा बताया

गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एनके सिंह एवं शिक्षक श्रवण कुमार ,संतोष कुमार गुप्ता एवं रेणु देवी कटिहार सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

कानपुर

सीएसए में फसल अवशेष प्रबंधन पर प्रतियोगिता सम्पन्न।

आज़ाद समाचार DECEMBER 29, 2024 1 MIN READ

आ स. संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा चंद्र विद्या मंदिर इंटर कॉलेज देवीपुर कानपुर देहात में फसल अवशेष प्रबंधन योजना मोबिलाइजेशन ऑफ स्टूडेन्ट कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें छात्र छात्राओं को फसल अवशेष के प्रबंधन की जानकारी दी गई।

सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि इसके साथ ही विद्यालय में विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए प्रश्नोतरी, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता हुई। डॉ. खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेष कम्पोष्ट खाद को बनाने में सहायक है। मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक क्रियाओं में लाभदायक है।

कृषि प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन हेतु हैप्पी सी सुपरसीडर, मल्चर, रोलर सहित अन्य कृषि यंत्र हैं, जो फसल अवशेष का प्रबंध करते हैं। कार्यक्रम में रामसनेही पाल, गौरव शुक्ला, शुभम् यादव अध्यापक अर्पित पाल, विनोदिनी, निधि सहित अन्य ने हिस्सा लिया।

वर्ष : 16 अंक : 353 लखनऊ मंगलवार, 31 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

सीएसए की फसल प्रबंधन पर प्रतियोगिता

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना के अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा कानपुर देहात में आयोजित किया गया था। जिसमें 250 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा के पोषक तत्वों का नुकसान होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण

सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों के स्वाद व गुणवत्ता में बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद बनाकर मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है।

इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने बताया कि पशुओं के गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य

अंक :345 कानपुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्ठ : 4

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

अनवर अशरफ़ी

कानपुर यू एन टी चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एनके सिंह एवं शिक्षक श्रवण कुमार ,संतोष कुमार गुप्ता एवं रेणु देवी कटिहार सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-362 मंगलवार, 31 दिसंबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ-4

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दर्शन सिंह महाविद्यालय केसरी नवादा कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल

अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंधक यादवेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एनके सिंह एवं शिक्षक श्रवण कुमार ,संतोष कुमार गुप्ता एवं रेणु देवी कटिहार सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।